आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 2/अंक 2/जून 2022
Received: 17/06/2022; Published: 24/06/2022

दिल में हसरतें लिए

- नीलाभ पंडित

अलवर

दिल में हसरतें लिए
लोग ढूंढते हैं ऐसा घर
जिसमें वे रह सकें चैन से
पर घर से कोई नहीं पूछता
उसे कैसे रहने वाले चाहिएं।

घर चाहता है
कि उसे भी पता हो
कौन और कैसे
लोग रहेंगे उसमें
और वह चुन सके उन्हें
जिनके साथ रहना है
उसे बरसों।

क्या उसमें रहने वालों में
छोटे छोटे प्यारे बच्चे होंगे
या सदा बड़बड़ाने वाले वृद्ध

वे घर की दीवारों
खिड़कियों और दरवाजों
का रखेंगे ध्यान
या पूरे लापरवाह होंगे।

घर का साथ देने के लिए
कोई हमेशा रहेगा वहां
या उसे झेलना होगा
ताला लगा अकेलापन
बातचीत का संगीत बजेगा
या सब बंद रहेंगे
अपने अपने कमरों में,
घर की चिंताएं कई हैं।

रसोई से कैसी खुशबू उड़ेगी
शाकाहारी या मांसाहारी
पड़ोस के घरों से
उसके रिश्ते बने रहेंगे
या वे देखेंगे उसे
हेय दृष्टि से
उन रहने वालों के कारण
जिन्हें उसने नहीं चुना है।

अगर वे अच्छे लोग होंगे
तो शायद उसकी उम्र

हमेशा जवान बनी रहेगी

पर थोड़ा डर भी लगता है

कि जो है आज अच्छा खासा घर

कहीं उसे गिरा न दे

कोई तानाशाह बुलडोजर।

घर में रहने से पहले

जरूरी है कि उसके साथ

किया जाए वार्तालाप

उसकी चिंताएं मिटा कर ही

खुश रह पाएंगे आप।

****